करियर मार्गदर्शन

➢ प्रस्तुत अभिलेख में सुझाए गए किसी भी संस्थान/कोर्स में प्रवेश लेने से पूर्व किसी करियर सलाहकार से भली–भाँति सलाह लेकर जाँच कर लें। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश किसी भी संस्थान/कोर्स के संचालन की जाँच नहीं करता हैं।

विज्ञान वर्ग

इंजीनियर

इंजीनियरिंग शिक्षा का एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ मशीनों को बनाने, डिजाइन करने और बनाए रखने के लिए तकनीकी मस्तिष्क का प्रयोग किया जाता है। एक इंजीनियर विभिन्न प्रकार के उत्पादों और प्रणालियों का मूल्यांकन, विकास, निरीक्षण, परीक्षण, संशोधन, स्थापना और रख–रखाव करता है–

इंजीनियरिंग के प्रकार–

- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- सिविल इंजनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग
- कैमिकल इंजीनियरिंग
- ऐयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग
- एयरोस्पेस इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग
- इंस्ट्रुमेण्टेशन इंजीनियरिंग
- मैनुफैक्चरिंग साइंस एण्ड इंजीनियरिंग
- मेटेलरजी
- मैटेरियोलॉजी
- ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एण्ड मशीन लर्निंग
- एस्ट्रोनॉमी एण्ड एस्ट्रोफिजिक्स
- फिजिकल साइंस
- ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग
- टेक्सटाइल इंजीनियरिंग
- रोबोटिक्स इंजीनियरिंग

कोर्स	**B.E** (बैचलर ऑफ इंजिनियरिंग), **B.Tech**(बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी), **M.Tech**(मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी), **M.E.** (मास्टर इन इंजिनियरिंग) तथा डिप्लोमा कोर्स आदि।
अर्हता	**(10+2)** भौतिक, रसायन एवं गणित के साथ । **NITS** तथा **IITS** में प्रवेश के लिए **JEE Mains** परीक्षा पास करना होगा। **JEE** के लिए **(10+2)** भौतिक, रसायन एवं गणित में 75 प्रतिशत अंक से पास करना अनिवार्य है।
प्रवेश परीक्षा	• राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की परीक्षाएं **JEE Mains** और **JEE Advanced**, कर्नाटक कॉमन एंट्रेस टेस्ट **(K.C.E.T.)**, महाराष्ट्र हायर टेक्निकल एजुकेशन कॉमन एंट्रेस टेस्ट **(M.H.T.C.E.T.)** है। • निजी संस्थानों के लिए भी अपनी अपनी प्रवेश परीक्षाऐं होती है। जैसे– वी.आई.टी.ई.ई.ई. **(V.I.T.E.E.E.)** और बी.आई.टी.एस.ए.टी **(B.I.T.S.A.T.)** इत्यादि।

संस्थान	❖ आई.आई.टी ,खड़गपुर ❖ आई.आई.टी, मुम्बई ❖ आई.आई.टी, चेन्नई ❖ आई.आई.टी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ❖ आई.आई.टी, कानपुर ❖ आई0आई0एस0सी0, बैंगलौर ❖ आई.आई.टी, रूड़की ❖ इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग, हैदराबाद ❖ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग एण्ड इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी पुणे ❖ इंडियन एकेडमी ऑफ एरोनॉटिकल टेक्नोलॉजी, लखनऊ ❖ मनीपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी , मनीपाल यूनिवर्सिटी, मनीपाल ❖ मद्रास यूनिवर्सिटी, चेन्नई ❖ हरीश चन्द्र रिसर्च इन्स्टीट्यूट, प्रयागराज ❖ आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ आब्सर्वेशनल साइंस, नैनीताल ❖ नेशनल सेंटर फार रेडियो एस्ट्रोनॉमी, टाटा फन्डामेन्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे ❖ राजस्थान टेक्नीकल यूनिवर्सिटी, कोटा, राजस्थान ❖ गुरू गोविन्द सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली ❖ आन्ध्रा यूनिवर्सिटी, विशाखापट्टनम ❖ बैंगलौर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कर्नाटक ❖ भारतीय विद्यापीठ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, महाराष्ट्र ❖ रांची यूनिवर्सिटी रांची, झारखण्ड ❖ गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, गांधीनगर, गुजरात ❖ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग पुणे, महाराष्ट्र ❖ कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, केरल ❖ आई0आई0टी, गुवाहाटी ❖ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी, कटक, उड़ीसा ❖ गवर्नमेंट सेंट्रल टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट, कानपुर

आर्किटेक्चर

एक ऐसा विज्ञान है जो घर, कार्यालय बिल्डिंग्स लैंडस्केप या सम्पूर्ण शहर के निर्माण कार्य के सुपरविजन एवं योजना का वर्णन करता है–

कोर्सेस	बी. आर्क.(बैचलर इन आर्किटेक्चर)
	एम.आर्क .(मास्टर इन आर्किटेक्चर)
	Ph.D. Programs
अर्हता	विज्ञान वर्ग, 10+2 स्तर
परीक्षा	**JEE** में प्राप्त कुल अंक **IIT** द्वारा विचारणीय होगा तथा अन्य संस्थान अपनी अलग प्रवेश परीक्षा कराते है।
मुख्य संस्थान	• भारतीय प्रौद्यौगिकी संस्थान, खड़गपुर • भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी), रूढ़की • अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश • स्कूल ऑफ प्लानिंग और आर्किटेक्चर, दिल्ली

सांख्यिकी सेवा

सांख्यिकी विषय से स्नातक डिग्री करने के पश्चात् नौकरी के विभिन्न अवसर है। जैसे– भारतीय सांख्यिकी अधिकारी (ISS) विभिन्न सरकारी विभागों के लिए सांख्यिकीय सर्वेक्षण डेटा संग्रह, विश्लेषण, और व्याख्या में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उत्तर प्रदेश राज्य में भी सांख्यिकी विभाग में विभिन्न पद है जैसे–सांख्यिकी अन्वेषक, सहायक सांख्यिकीय अधिकारी तथा डेटा इंट्री ऑपरेटर–

कोर्स	• एप्लाइड मैथ में डिप्लोमा • बैचलर ऑफ स्टैटिस्टिक्स (ऑनर्स) • बैचलर ऑफ मैथमैटिक्स (सांख्यिकी एक विषय के रूप में) • बैचलर ऑफ एप्लाइड मैथमैटिक्स एण्ड स्टैटिस्टिक्स • मास्टर इन स्टैटिस्टिक्स • मास्टर इन मैथमैटिक्स • **Ph.D.**
अर्हता	**(10+2)** भौतिक, रसायन एवं गणित के साथ। सांख्यिकी विभाग में नौकरी हेतु सांख्यिकी विषय के साथ स्नातक या स्नातकोत्तर।
परीक्षा	**ISS** पर भर्ती यू0पी0एस0सी0 (संघ लोक सेवा आयोग) के माध्यम से की जाती है तथा राज्य सरकार के स्तर पर भर्ती उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग के माध्यम से की जाती है।
सांख्यिकी स्नातक के लिए संस्थान	❖ चेन्नई मैथमेटिकल इंस्टीट्यूट, चेन्नई ❖ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई ❖ इंडियन स्टैस्टिकल इंस्टीट्यूट, कोलकाता ❖ उसमानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद ❖ टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फन्डामेन्टल रिसर्च, मुम्बई ❖ मेहता रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिक्स एण्ड मैथमेटिकल फिजिक्स **(MRI),** प्रयागराज। ❖ सावित्री बाई फूले, पुणे यूनिवर्सिटी।

वायु यातायात नियंत्रक (ATC)

वायु यातायात नियंत्रक हवाई अड्डों और हवाई क्षेत्र में विमानों के सुरक्षित और कुशल संचालन के लिए जिम्मेदार होते हैं। वे विमानों की स्थिति, गति और ऊँचाई की निगरानी करते हैं। रेडियों द्वारा पायलटों से संवाद करते है और सुरक्षित दूरी सुनिश्चित करते हैं–

अर्हता	**(10+2)** भौतिक विज्ञान, रसायन एवं गणित के साथ तथा किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी और गणित के साथ स्नातक की डिग्री या इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री। आयु 27 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।
प्रवेश परीक्षा	**AAI (Airport authority of India)** द्वारा आयोजित **ATC(Air Traffic controller)** प्रवेश परीक्षा।

कम्प्यूटर एप्लीकेशन

छात्रों को अपने तकनीकी ज्ञान का विस्तार करने और लागू करने का अवसर प्रदान करने के लिए कम्प्यूटर एप्लीकेशन कोर्स डिजाइन किया गया है–

कोर्स	कम्प्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा, कम्प्यूटर एप्लीकेशन में बैचलर डिग्री, कम्प्यूटर एप्लीकेशन में मास्टर डिग्री।
अर्हता	किसी भी वर्ग में **(10+2)** पास करना।
संस्थान	❖ मद्रास यूनिवर्सिटी, चेन्नई ❖ इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, प्रयागराज ❖ दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली ❖ छत्रपति साहू जी महाराज यूनिवर्सिटी, कानपुर ❖ मुम्बई यूनिवर्सिटी, मुम्बई ❖ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली

कम्प्यूटर साइंस

इस कोर्स का उद्देश्य कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग और नेटवर्किंग के बुनियादी तत्वों पर आधारित है। इस कोर्स में हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों की सूचना प्रणाली के डिजाइन, कार्यान्वयन प्रबन्धन का ज्ञान शामिल है–

कोर्स	यू.जी. कोर्स– **B.E./ B.Tech** (कम्प्यूटर साइंस, इन्फॉर्मेशन साइंस, इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी) **B.Sc (C.S., I.T., I.S.)** **P.G.** . कोर्स– **M.E./ M.Tech** **M.C.A** **M.Sc (CS,IT)** **P.G.D.I.T, P.G.D.C.A** इत्यादि।
अर्हता	(10+2) भौतिक विज्ञान, रसायन एवं गणित के साथ ।
संस्थान	❖ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मुम्बई ❖ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर ❖ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली ❖ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ❖ इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली

वानिकी

इस क्षेत्र में वनों और उनसे सम्बन्धित संसाधनों के प्रबंधन, संरक्षण और सुधार में काम करना है। इस क्षेत्र में कई विकल्प हैं जैसे– वनपाल, संरक्षण वैज्ञानिक, पर्यावरण सलाहकार, वन्यजीव जीव विज्ञानी और वन पारिस्थितिकीविद्–

कोर्स	**B.Sc Forestry/wildlife** **M.Sc Forestry/wildlife/forest economics** **M.Sc Wood Science and Technology** **Post Graduate Diploma in forest Management (PGDFM)**
अर्हता	(10+2) भौतिक विज्ञान, रसायन एवं गणित या जीव विज्ञान के साथ।
संस्थान	❖ यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस, बैंगलुरू, धारवाड़ ❖ भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा, उत्तर प्रदेश ❖ कॉलेज ऑफ हॉर्टीकल्चर फॉरेस्ट्री, सोलन, हिमाचल प्रदेश ❖ उड़ीसा यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एवं टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर, उड़ीसा

मानव विज्ञान

मानव विज्ञान में विभिन्न कैरियर विकल्प है–जिनमें शिक्षा, शोध, पुरातत्व और सांस्कृतिक संसाधन प्रबन्धन शामिल है। मानवविज्ञान के स्नातक मानव विज्ञानी, संग्रहालय क्यूरेटर या फोरेंसिक वैज्ञानिक जैसे पदों पर काम कर सकते है–

कोर्स	**B.A/B.Sc** **M.A/M.Sc** **M.Phil** **Ph.D**
अर्हता	(10+2) भौतिक विज्ञान, रसायन एवं गणित या जीव विज्ञान के साथ।
संस्थान	❖ बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ❖ आन्ध्रा यूनिवर्सिटी, विशाखापत्तनम ❖ पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ ❖ गुवाहाटी यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी ❖ संभल यूनिवर्सिटी, उड़ीसा ❖ यूनिवर्सिटी ऑफ आर्कियोलॉजी, नई दिल्ली ❖ कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़

भारतीय सेना

भारतीय सेना में 10वीं, 12वीं या स्नातक स्तर पर प्रवेश के कई रास्ते है–

अर्हता (i)	10वीं पास के बाद
कोर्स	सैनिक (जनरल ड्यूटी), ट्रेड्समैन, अग्निवीर के पद
अर्हता (ii)	(10+2) भौतिक विज्ञान, रसायन एवं गणित या जीवविज्ञान के साथ
कोर्स	**NDA** (एन.डी.ए) (नेशनल डिफेंस अकादमी) **TES (Technical Entry Scheme)** (10+2) भौतिक विज्ञान, रसायन एवं गणित में न्यूनतम 70

	प्रतिशत अंको के साथ
अर्हता (iii)	किसी भी विषय में स्नातक की उपाधि
कोर्स	**I.M.A (Indian Military Academy)** के अन्तर्गत भारतीय सेना में अधिकारी
परीक्षा	**C.D.S (Combined Defence Service)**
अर्हता (iv)	**A.I.C.T.E** द्वारा मान्यता प्राप्त बी.टेक डिग्री
कोर्स	**U.E.S (University Entry Scheme)** द्वारा भारतीय सेना में तकनीकी अधिकारी
अर्हता (v)	एन0सी0सी0 का 'सी' प्रमाण पत्र
कोर्स	भारतीय सेना में सीधे प्रवेश

चिकित्सक

चिकित्सक बनना वैश्विक दुनिया और अंतर्राष्ट्रीय रोजगार के अवसरों हेतु तैयार करता है। किसी मान्यता प्राप्त मेडिकल विश्वविद्यालय से मेडिकल के कोर्सेज का अध्ययन करने पर लोकप्रिय क्षेत्रों सहित दुनिया भर में चिकित्सा का अभ्यास करने की पात्रता मिलती हैं।

कोर्स	• **MBBS** (बैचलर आफ मेडिसिन एण्ड बैचलर आफ सर्जरी)
अर्हता	**10+2** भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान
प्रवेश परीक्षा	**NEET,AIIM, JIPMER**
संस्थान	• **AIIMS,** नई दिल्ली। • नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एण्ड न्यूरोसाइंसेज, बैंगलोर। • संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ। • बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। • जवाहर लाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च , पुडुचेरी। • किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ इत्यादि।
कोर्स	• **BAMS**– बैचलर आफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी अथवा "आयुर्वेदाचार्य" • कास्मेटिक आयुर्वेदिक कोर्स प्रमाणपत्र (1 वर्षीय कोर्स) • आयुर्वेदिक फार्मेसी डिप्लोमा (2 वर्षीय कोर्स) • बैचलर इन आयुर्वेदिक फार्मेसी (4 वर्षीय कोर्स) • मास्टर इन आयुर्वेदिक फार्मेसी (**M.Pharma**)(2 वर्षीय कोर्स)
अर्हता	**10+2** भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान
प्रवेश परीक्षा	**NEET,AIIMS, JIPMER**
संस्थान	• ऋषिकुल आयुर्वेदिक विद्यालय एवं चिकित्सालय, जगतगंज, वाराणसी, उ0प्र0 • जे0बी0 राय गवर्नमेंट आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय,कोलकता, पश्चिम बंगाल। • राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर, राजस्थान। • गवर्नमेंट आयुर्वेद विद्यालय एवं चिकित्सालय लखनऊ, उ0प्र0।

	• ऑल इंडिया आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली।
कोर्स	• **BDS** (बैचलर ऑफ डेन्टल सर्जरी) (दन्त चिकित्सा) • **MS** (मॉस्टर इन डेन्टल सर्जरी)
अर्हता	**10+2** भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान
प्रवेश परीक्षा	**NEET**
संस्थान	• गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज, मेडिकल कैम्पस, रोहतक। • गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज एवं चिकित्सालय, अफजलगंज, हैदराबाद। • मौलाना आजाद डेंटल विद्यालय एवं चिकित्सालय, नई दिल्ली। • गवर्नमेंट डेंटल विद्यालय एवं चिकित्सालय , विजयवाड़ा । • दन्त चिकित्सा संकाय, जमियां मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली।
कोर्स	• **BHMS**–होमियोपैथी (बैचलर ऑफ होमियोपैथिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी) • **MD**–होमियोपैथी
अर्हता	**10+2** भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान
संस्थान	• तमिलनाडु डा0 एम0जी0आर0 मेडिकल विश्वविद्यालय, चेन्नई। • नेहरू होमियोपैथिक मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय (**NHMC&H**), दिल्ली (**University of delhi**) • डा0 गुरूराजू गवर्नमेंट होमियोपैथिक मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय ,आंध्रप्रदेश • जे0एस0पी0एस0 गवर्नमेंट होमियोपैथिक मेडिकल कालेज, हैदराबाद • डा0 एन0टी0आर0 स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, आन्ध्र प्रदेश।
कोर्स	• **SIDDHA** • **BSMS** (सिधा औषधीय एवं विज्ञान स्नातक) • **MD** (सिधा औषधि)
अर्हता	**10+2** भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान
संस्थान	• तमिलनाडु डा0 एम0जी0आर0 मेडिकल विश्वविद्यालय ,चेन्नई • गवर्नमेंट सिधा मेडिकल कालेज, अरमबक्कम, चेन्नई • श्री साई राम सिधा मेडिकल कालेज, श्री पेंरूमपथटु, तमिलनाडु • केरला स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, थ्रिसर, केरला

वेटिनरी विज्ञान

इसके अध्ययन के पश्चात पशु चिकित्सक बनकर विभिन्न पशुओं का चिकित्सीय इलाज करने में सक्षम हो सकेंगे–

कोर्स	• वैटिनरी विज्ञान एवं पशुपालन में स्नातक • वैटिनरी विज्ञान में स्नातक • वैटिनरी विज्ञान में परास्नातक
अर्हता	10+2 जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान
परीक्षा	भारतीय वेटिनरी आयोग द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा।

संस्थान	• भारतीय वेटिनरी शोध संस्थान, उ0प्र0। • जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर। • वेटिनरी विज्ञान विद्यालय **CCS** हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा। • बाम्बे वेटिनरी विज्ञान विद्यालय, मुंबई। • चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी, कानपुर, उ0प्र0।

फार्मेसी

इस कोर्स में छात्र दवाओं और औषधियों, के निर्माण,उपयोग, वितरण , औषधि रसायन विज्ञान आदि के बारे में अध्ययन करते है। छात्र फार्मेसी करने के पश्चात फार्मासिस्ट, मेडिकल काऊंसलर, शिक्षक, शोधकर्ता, प्रबंधन विशेषज्ञ आदि बन सकते है–

कोर्स	फार्मेसी में डिप्लोमा, फार्मेसी में स्नातक, फार्मेसी में परास्नातक, **M.Tech** (फार्मेसी), **M.B.A** (फार्मेसी), **M.S** (फार्मेसी), फार्मेसी में **Ph.D.**
अर्हता	विज्ञान विषयों के साथ 10+2
संस्थान	• नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्माक्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, मोहाली। • डिपार्टमेंट ऑफ फार्माक्यूटिक्स **IIT B.H.U** ,वाराणसी। • महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ,रोहतक। • नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्माक्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, हैदराबाद।

जैविक विज्ञान

जैविक विज्ञान कोर्स में जंतुओं के जीवन, उनके जीवन चक्र, अनुकूलन और पर्यावरण का अध्ययन किया जाता है। इस कोर्स के अंतर्गत जैव रसायन, सूक्ष्म जैविकी, विकासीय जीव विज्ञान क्षेत्र सम्मिलित है। कोर्स के अध्ययन के पश्चात् फारेंसिक जीव विज्ञानी, साइटोटेक्नोलाजिस्ट, मेडिकल टेक्नोलाजिस्ट बायोकेमिस्ट, बायोलाजिस्ट आदि रोजगार के अवसर सम्भावित हैं–

कोर्स	• जैविक विज्ञान में स्नातक । • जैविक विज्ञान में परास्नातक । • जैविक विज्ञान में **Ph.D.**।
अर्हता	भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान के साथ 10+2
संस्थान	• इण्डियन इंस्टीट्यूट्स ऑफ सांइस एजूकेशन एंड रिसर्च(**IISER**),पुणे, महाराष्ट्र। • इंडियन इंस्टीट्यूटस ऑफ सांइस एजुकेशन एंड रिसर्च(**IISER**), कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

पर्यावरण विज्ञान

पर्यावरण विज्ञान में विद्यार्थी सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में रोजगार के अवसर चुन सकते है। इसके अन्तर्गत आने वाले कोर्स का अध्ययन करने के उपरांत पर्यावरण सलाहकार, पर्यावरण प्रभाव आकलन विशेषज्ञ, पर्यावरण इंजीनियर, शोध सहयोगी इत्यादि बन सकते है–

कोर्स	• स्नातक डिग्री • परास्नातक डिग्री • **Ph.D.** (पर्यावरण विज्ञान)
अर्हता	10+2, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषयों के साथ अथवा इसके समकक्ष
संस्थान	• इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उ0प्र0। • दिल्ली विश्वविद्यालय , दिल्ली। • पर्यावरण विज्ञान विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय। • बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ0प्र0। • बेंगलौर विश्वविद्यालय, बेंगलौर। • डा0 बी0आर0 अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, तेलंगाना । • झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय, रांची।

पुष्प कृषि/बागवानी

पुष्प कृषि/ बागवानी कृषि का एक नाम है जिसमें कला विज्ञान, प्रौद्योगिकी, पादप वृद्धि की प्रक्रिया से सम्बन्धित है। इसमें फल, सब्जियॉ, नट्स, बीज, हर्ब, अंकुर (स्प्राउट्स), मशरूम, शैवाल, पुष्प, औषधीय पौधे लगाना, समुद्री खरपतवार एवं अखाद्य फसलें जैसे–घास और सजावटी पेड़–पौधे सम्मिलित है–

कोर्स	• बागवानी में डिप्लोमा • बागवानी में स्नातक। • बागवानी में परास्नातक। • बागवानी में **Ph.D.**
अर्हता	कक्षा 12, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं गणित/जीव विज्ञान/कृषि
संस्थान	• केरल कृषि विश्वविद्यालय । • कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, कोम्बेटोर, तमिलनाडु। • कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता । • जी0बी0पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (**GBPUA&T**), उत्तराखण्ड। • भारतीय कृषि शोध संस्थान (**IARI**), दिल्ली • इलाहाबाद कृषि संस्थान ,इलाहाबाद।

मत्स्य विज्ञान

मत्स्य पालन एक बहुविषयक कोर्स है जिसमें मछलियों की विभिन्न प्रजातियॉ, आदतें तथा उनके जीवन का अध्ययन सम्मिलित है। इसमें पकड़ना, प्रक्रिया (प्रोसेसिंग), मार्केटिंग और संरक्षण किया जाता है। मत्स्य पालन विभाग, मत्स्य पालन और पशुपालन और पशुपालन मंत्रालय इत्यादि अन्य सरकारी संगठन मत्स्य पालन से सम्बन्धित विभिन्न पदो के लिये विज्ञापन देते है। मत्स्य फार्म, मछली प्रसंस्करण संयंत्र एवं मछली व्यापार से सम्बन्धित कंपनियों में भी मत्स्य पालन से सम्बन्धित रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं–

कोर्स	• मत्स्य विज्ञान में स्नातक • मत्स्य पालन विज्ञान में स्नातक • मत्स्य जीव विज्ञान के अन्तर्गत मत्स्य पालन विज्ञान में स्नातक • जलीय कृषि के अन्तर्गत मत्स्य पालन विज्ञान में स्नातक • मत्स्य पालन विज्ञान में परास्नातक **B.F.Sc** एवं **M.F.Sc** के अतिरिक्त विभिन्न मत्स्य पालन संस्थान मत्स्य पालन से सम्बन्धित व्यावसायिक प्रशिक्षण कोर्सेज भी प्रदत्त करते है।
योग्यता	• 10+2 जीव विज्ञान विषय के साथ
संस्थान	• आंध्र विश्वविद्यालय । • ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, आंध्रप्रदेश। • मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र। • गोवा विश्वविद्यालय। • मनीपुर विश्वविद्यालय। • बरकातुलाह विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

जैव प्रोद्यौगिकी

जैव प्रोद्यौगिकी एक विस्तृत क्षेत्र है जिसमें जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी इंजीनियरिंग और सूचना प्रोद्यौगिकी का अध्ययन किया जाता है। छात्र जैव प्रोद्यौगिकी का अध्ययन कर बायोटेक्नोलाजी विशेषज्ञ, प्रयोगशाला प्रशिक्षक, शोधकर्ता, बायोकेमिस्ट,व्याख्याता या नैदानिक शोधकर्ता जैसे, विभिन्न क्षेत्रों में करियर बना सकते है। जैव प्रोद्यौगिकी पाठ्यक्रम विभिन्न स्तरों जैसे स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा और Ph.D. पर उपलब्ध है–

कोर्स	**B.Sc** –स्नातक **M.Sc** –परास्नातक **M.Tech** (जैव प्रोद्यौगिकी)
अर्हता	• भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित और जीव विज्ञान विषयों में 10+2 (स्नातक हेतु) • भौतिकी, जीव विज्ञान, कृषि, हार्टीकल्चर वेटेनरी, फिशरी या कृषि अभियंत्रण में 10+2+3 स्नातक डिग्री (परास्नातक हेतु) • एम.टेक**M.Tech** हेतु–केमिकल इंजीनियरिंग, बायोकेमिकल इंजीनियरिंग(**B.E**), इंडस्ट्रीयल बायोटेक, लेदर टेक्नोलॉजी,

	फार्मास्यूटिकल टेक्नालॉजी, फूड टेक्नालॉजी, **B.Pharma**, डेयरी प्रौद्योगिकी तथा वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान, बायोकेमेस्ट्री, माइक्रो बायोलॉजी, जेनेटिक, फिजियोलॉजी, फार्मोकोलॉजी तथा बायोफिजिक्स में **B.Tech** डिग्री
प्रवेश परीक्षा	• जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली अन्य विश्वविद्यालयों के साथ प्रवेश परीक्षाएँ आयोजित करता है।
संस्थान	• जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय • एमिटी यूनिवर्सिटी ,नोएडा • सेंट जेवियर्स कॉलेज ,कोलकाता • बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

साइबर सुरक्षा

साइबर सुरक्षा ऑनलाइन अपराध को कम करने, हैकर्स को डेटा चोरी करने से रोकने, डेटा डिलीट होने से बचाने तथा इंटरनेट पर हमलों को रोकने और सिस्टम डेटा को सुरक्षित रखने से सम्बन्धित है। साइबर सुरक्षा IIT सेक्टर का बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसमें छात्रों को अलग–अलग कोर्स के माध्यम से साइबर क्राइम को रोकने और सिक्योरिटी के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल दिया जाता है–

कोर्स	• साइबर सुरक्षा में **B.Tech**/कम्प्यूटर सांइस में **B.Tech** या साइबर सुरक्षा या सूचना सुरक्षा में **IIIT** से **M.Tech**
अर्हता	• विज्ञान वर्ग से 10+2
संस्थान	• **IIT,** हैदराबाद • **AIACT&R,** दिल्ली • **III T ,**प्रयागराज • **IIIT,** दिल्ली

यूनानी

इस कोर्स में यूनानी ट्रीटमेंट के सिद्धान्तों एनाटमी डायग्नोसिस और औषधियों के उपयोग की जानकारी दी जाती है–

कोर्स	• **BUMS** (बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एण्ड सर्जरी) • कैमिल–ए तॉब–ओ–जराहत • माहिर–ए–तिब्ब • **MD/MS/PG** (यूनानी)
अर्हता	• **BUMS** हेतु–10+2 ,विज्ञान वर्ग मुख्यत: **PCB** भौतिक विज्ञान रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान • **BUMS/Graduation** करने के पश्चात **AIAPGET-2018** (ऑल इंडिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट इन्ट्रेंस टेस्ट का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षण एजेंजी (**NTA**) द्वारा किया जाता है। आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है।
संस्थान	• नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूनानी मेडिसिन, बैंगलौर

	• दिल्ली विश्वविद्यालय (फैकल्टी ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड यूनानी मिडिसिन) • कलोजी नारायन राव यूनिवर्सिटी आफ हेल्थ साइंस, तेलंगाना, वारंगल • अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ • एण्ड यू0 तिब्ब कालेज एण्ड हास्पिटल, दिल्ली

समुद्र विज्ञान

समुद्र विज्ञान का पाठ्यक्रम महासागर के भौतिक और जैविक पहलुओं से सम्बन्धित है। समुद्र विज्ञान के क्षेत्र में रोजगार के कई अवसर है। यह विज्ञान देश की विस्तृत तटरेखा और समुद्री संसाधनों के अध्ययन से सम्बन्धित है। इस क्षेत्र में समुद्र विज्ञानी, समुद्री जीव विज्ञानी, समुद्री भूविज्ञानी, महासागर इंजीनियर, तटीय क्षेत्र प्रबंधक पर्यावरण सलाहकार आदि से सम्बन्धित रोजगार उपलब्ध है–

कोर्स	• **M.Sc** ओशियनोग्राफी और तटीय क्षेत्र अध्ययन • ओशियनोग्राफी में **M.Sc** • **M.Phill** केमिकल ओशियनोग्राफी • **M.Tech** ओशियनोग्राफी • मराइन बायोलॉजी में **M.Sc**
अर्हता	• भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित/जीव विज्ञान के साथ 10+2 (स्नातक हेतु) • जन्तु विज्ञान/वनस्पति विज्ञान/रसायन/मत्स्य विज्ञान/भू विज्ञान/ भौतिक विज्ञान/कृषि विज्ञान/ सूक्ष्म जीव विज्ञान आदि विषयों में **B.Sc**, **B.Tech** (परास्नातक हेतु)
संस्थान	• भारतीय सूचना प्रोद्यौगिकी संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडू। • भारतीय सूचना प्रोद्यौगिकी संस्थान खड़गपुर, पश्चिम बंगाल • विज्ञान और प्रोद्यौगिकी विश्व विद्यालय कोचीन, केरल • गोवा विश्वविद्यालय।

खाद्य प्रोद्यौगिकी

यह एक ऐसा क्षेत्र है जो खाद्य पदार्थो के उत्पादन, प्रसंस्करण, संरक्षण, पैकेजिंग, गुणवत्ता नियंत्रण और वितरण से सम्बन्धित है, इसका अध्ययन करने से आर्गेनिक केमिस्ट, बायोकेमिस्ट, होम इकोनामिस्ट, इंजीनियर रिसर्च साइंटिस्ट, मैनेजर तथा एकाउंटेन्ट इत्यादि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर होते हैं–

कोर्स	• डिप्लोमा कोर्स • स्नातक कोर्स • परास्नातक कोर्स • फूड टेक्नोलाजी में **B.Tech.**
अर्हता	• विज्ञान वर्ग के साथ 10+2 उत्तीर्ण, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, अथवा गृह विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित मुख्य विषय के रूप में।

परीक्षा	• **CFTRI** (सेन्ट्रल फूड टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टीट्यूट इट्रेंस इक्जाम) **CFTRI**, मैसूर द्वारा एम0एस0सी0फूड टेक्नोलाजी में एडमीशन के लिए आयोजित किया जाता है। • **IICPT-** **(**इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रॉप प्रोसेसिंग टेक्नोलाजी इंट्रेंस इक्जाम) • **AIJEE-** फूड टेक्नोलॉजी और बायोकेमिकल सांइस में बी0टेक कोर्स में छात्रों को एडमिशन देने के लिए ऑल इंडिया ज्वाइंट इक्जाम आयोजित की जाती है। कोर्स में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों को जे0ई0ई0 स्टेट ज्वांइट इंट्रेंस इक्जाम या (**A.I.J.E.E.**) (आल इंडिया ज्वाइंट इन्ट्रेंस इक्जाम) पास करना होता है।
संस्थान	• दिल्ली विश्वविद्यालय • सेंट्रल फूड रिसर्च टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टीट्यूट, कर्नाटक • कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल • मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु • डा0 बाबा साहब अम्बेडकर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र • आन्ध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश • महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोटायम, केरल • मनीपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल, मनीपुर

प्राकृतिक चिकित्सा (नेचुरोपैथी)

प्राकृतिक चिकित्सा उपचार की एक प्रणाली है जो प्राकृतिक और समय परीक्षणित विधियों को जोड़ती है। प्राकृतिक चिकित्सा व्यक्ति के शरीर के संचालन को सुधारने, रोगों का निदान करने और उनके इलाज करने के लिए प्राकृतिक पदार्थो का उपयोग करती है। प्राकृतिक चिकित्सा को बल देने के लिए योग भी सम्मिलित किया गया है। प्राकृतिक चिकित्सा और योग तथा प्राकृतिक चिकित्सा दोनो में ही पाठ्यक्रम उपलब्ध है–

कोर्स	• योग विज्ञान में फाउन्डेशन कोर्स • स्नातकों हेतु योग विज्ञान में डिप्लोमा • जीव विज्ञान में स्नातक (योग विज्ञान)10+2 विज्ञान के विद्यार्थियों हेतु • प्राकृतिक चिकित्सा और योग विज्ञान में स्नातक • योग और प्राकृतिक चिकित्सा में एम0डी0
अर्हता	• विज्ञान वर्ग के साथ 10+2
संस्थान	• मोरार जी देसाई योग राष्ट्रीय संस्थान ,नई दिल्ली • बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय , वाराणसी • प्राकृतिक चिकित्सा की राष्ट्रीय संस्थान, पुणे • तमिलनाडु **Dr. MGR** मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नई

वन्यजीव जीवविज्ञान

वन्यजीव जीवविज्ञान भूदृश्य संरक्षण लुप्त प्राय प्रजातियों के संरक्षण के विकास और पारिस्थितिकी संतुलन के रखरखाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस क्षेत्र में वन्य जीवों का उनके प्राकृतिक आवासों का विभिन्न वातावरणों और प्रयोगशाला में अवलोकन से सम्बन्धित है। इस क्षेत्र में वन्यजीव जीवविज्ञानी, वन्यजीव शोधकर्ता आदि रोजगार के अवसर सम्मिलित हैं–

कोर्स	• वन्यजीव विज्ञान में स्नातक • वन्यजीव विज्ञान में परास्नातक
अर्हता	• भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान के साथ 10+2
संस्थान	• पर्यावरण शिक्षा और अनुसंधान संस्थान भारतीय विद्यापीठ, पुणे, महाराष्ट्र • नेशनल सेंटर फार बायोलजिस्ट सांइसेस, बेंगलुरू, कर्नाटक

सूक्ष्म जैविकी

सूक्ष्म जैविकी एक विस्तृत क्षेत्र है जो विद्यार्थियों को रोजगार के वृहद् अवसर उपलब्ध कराती है। इससे सम्बन्धित कोर्स करने के पश्चात क्लिनिकल माइक्रो बायोलॉजिस्ट, इन्वार्नमेंटल माइक्रोबायोलॉजिस्ट, पैरासिटोलॉजिस्ट, वाइरोलॉजिस्ट इत्यादि रोजगार हेतु अर्ह होगें –

कोर्स	• सूक्ष्म जैविकी में स्नातक • सूक्ष्म जैविकी में परास्नातक • सूक्ष्म जैविकी में **Ph.D.**
अर्हता	• 10+2, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान
संस्थान	• **JIPMER,**पुडुचेरी • मुंबई विश्वविद्यालय • दिल्ली विश्वविद्यालय इत्यादि

नर्सिंग

नर्सिंग में कई तरह के रोजगार के अवसर उपलब्ध है, जैसे–स्टाफ नर्स, नर्सिंग सेवा, प्रशासक, सहायक नर्सिंग अधीक्षक, औद्योगिक नर्स, नर्सिंग पर्यवेक्षक, नर्सिंग अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स, नर्स प्रैक्टिशनर इत्यादि। नर्सिंग में करियर बनाना अस्पतालों, क्लीनिक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और यहाँ तक कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है–

कोर्स	• डिप्लोमा कोर्सेज **G.N.M.** जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी • **A.N.M.** (सहायक नर्स मिडवाइफ) • **B.Sc.** नर्सिंग– नर्सिंग में स्नातक • **M.Sc.**नर्सिंग – नर्सिंग में परास्नातक • **M.Phil** नर्सिंग • **Ph.D** नर्सिंग– यह एक डॉक्टरेट कोर्स है जो नर्सिंग में रिसर्च वर्क पर केन्द्रित है।
अर्हता	जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान के साथ 10+2, अथवा समकक्ष।
परीक्षा	• **AIIMS, B.Sc** नर्सिंग प्रवेश परीक्षा • **BHU. B.Sc** नर्सिंग **(NEET** उत्तीर्ण अभ्यर्थी) • **P.G.I.M.E.R, B.Sc** नर्सिंग प्रवेश **(NEET** उत्तीर्ण अभ्यर्थी**)** • **K.G.M.U, B.Sc** नर्सिंग प्रवेश **(NEET** उत्तीर्ण अभ्यर्थी**)** • भारतीय सेना **B.Sc** नर्सिंग प्रवेश **(NEET-UG)** के माध्यम से प्रवेश। • **JIEPMER B.Sc** नर्सिंग प्रवेश। • **NEET** के माध्यम से प्रवेश। • **C.M.C.**, लुधियाना **B.Sc** नर्सिंग प्रवेश • **RUHS, B.Sc** नर्सिंग प्रवेश।
संस्थान	• **ANM(FHW)** ट्रेनिंग स्कूल काटेज हास्पिटल, भिलोड़ा, गुजरात • **ANM(FHW)** ट्रेनिंग स्कूल ऑफ नर्सिंग अमरेली, गुजरात • गवर्नमेंट **ANM** स्कूल ऑफ नर्सिंग, लॉन्गतली, मिजोरम • गवर्नमेंट **ANM** ट्रेनिंग सेन्टर, सुन्दरगढ़, उड़ीसा • सुश्रुत इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक सर्जरी **pvt Ltd.**, लखनऊ, उत्तर प्रदेश इत्यादि।

पैरामेडिकल कोर्स

पैरामेडिकल कोर्स करने के पश्चात् छात्र हेल्थ केयर के क्षेत्र में जाते हैं। पैरामेडिकल कोर्स करने वाले छात्रों को पैरामेडिक कहा जाता हैं। पैरामैडिकल कोर्स करने के पश्चात छात्र मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नीशियन, फिजियोथेरेपिस्ट, एम.आर.आई. टेकनीशियन, डेंटल असिस्टेंट आदि बन सकते है।

कोर्स	सर्टिफिकेट पैरामेडिकल कोर्स • लैब टेक्नीशियन में सर्टिफिकेट • डेन्टल असिस्टेंट में सर्टिफिकेट • ऑपरेशन थिएटर टेक्नीशियन में सर्टिफिकेट • **E.C.G.** तथा **C.T. Scan** टेक्नीशियन में सर्टिफिकेट
अर्हता	कक्षा–10 उत्तीर्ण
कोर्स	डिप्लोमा पैरामेडिकल कोर्स • मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा • मेडिकल एक्स रे टेक्नीशियन में डिप्लोमा • ऑप्टोमेट्री में डिप्लोमा • ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा • स्वास्थ्य एवं अस्पताल प्रबंधन में डिप्लोमा • डेन्टल टेक्नीशियन और हाइजीमिस्ट में डिप्लोमा • कार्डिएक केयर टेक्नीशियन में डिप्लोमा • फिजियोथेरेपी में डिप्लोमा • एनेस्थीसिया प्रोद्यौगिकी में डिप्लोमा • डायलिसिस टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा
अर्हता	कक्षा 10/12 उत्तीर्ण (अलग–अलग कोर्स के अनुसार)
कोर्स	डिग्री पैरामेडिकल कोर्स • **B.Sc Optometry** • **B.Sc X-ray Technician** • **B.Sc Anaesthesia Technician** • **B.Sc Audiology** • **B.Sc Anaesthesia** • **B.Sc Dialysis Technology** • **B.Sc Radiology** • **B.Sc Cardiovascular Technology** • **B.Sc Physiotherapy** • **B.Sc Paramedicine** • **B.Sc Lab Technology**
अर्हता	10+2 उत्तीर्ण
संस्थान	• अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली • सी0एम0सी0, वेल्लौर • चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ • एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा

फारेंसिक विज्ञान

फोरेंसिक विज्ञान में रोजगार के अच्छे अवसर उपलब्ध है। जैसे– फोरेंसिक वैज्ञानिक, जाँच अधिकारी, क्षेत्र अन्वेषक, फोरेंसिक विशेषज्ञ, अपराध संवाददाता, औषधि विश्लेषक, कस्टम एजेंट इत्यादि।

कोर्स	• **B.Sc.** फोरेंसिक साइंस • **M.Sc.** फोरेंसिक साइंस • **Ph.D.** फोरेंसिक साइंस • फोरेंसिक विज्ञान में डिप्लोमा
अर्हता	• स्नातक हेतु– भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान एवं गणित विषयों के साथ कक्षा 12 उत्तीर्ण • परास्नातक हेतु– **B.Sc** फोरेंसिक साइंस या कोई अन्य समकक्ष स्नातक • **Ph.D.** हेतु– **M.Sc** फोरेंसिक साइंस या इसके समकक्ष स्नातक कोर्स • डिप्लोमा हेतु–विज्ञान वर्ग के साथ कक्षा 12
परीक्षा	अखिल भारतीय फोरेंसिक विज्ञान प्रवेश परीक्षा (**AIFSET**) अथवा अन्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षाओं में शामिल हो सकते है।

शिक्षक

शिक्षक का मुख्य उद्देश्य होता है, छात्रों को सशक्त एवं एक बेहतर नागरिक बनाने के लिए प्रेरित करना शिक्षक केवल एक पेशा नही है अपितु सेवा जो राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं। उनका ज्ञान, धैर्य और समर्पण ही छात्रों को सफलता के मार्ग पर प्रशस्त करता है।

कोर्स एवं योग्यता	10+2, सहायक अध्यापक, स्नातक, **D.El.Ed./ B.Ed./B.T.C./B.P.Ed.** प्रवक्ता–परास्नातक + **B.Ed.**/एकीकृत **B.Ed.**/ **M.P.Ed.**/ **M.Ed.** असिस्टेंट प्रोफेसर– परास्नातक + **NET/JRF** /**Ph.D.**
परीक्षा	**P.G.T, T.E.T, SUPER T.E.T, T.G.T.**
प्रमुख संस्थान	मान्यता प्राप्त विभिन्न राजकीय एवं निजी संस्थान